

जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिनके हिरदये सिया राम वसे तिन और का नाम लिया न लिया रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिनके घर एक सपूत बहयो तिन लाख कपूत हुआ न हुआ रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिन मात पिता की सेवा की तीन तीर्थ वर्त किया न किया रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिनके द्वारे पर गंग बहे तिन कूप का नीर पिया न पिया रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

तुलसी दास विचार करे कपटी को मीत किया न किया
जिनके हिरदये सिया राम वसे

Source: <https://www.bharattemples.com/jinke-hirdye-siya-ram-vase/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>